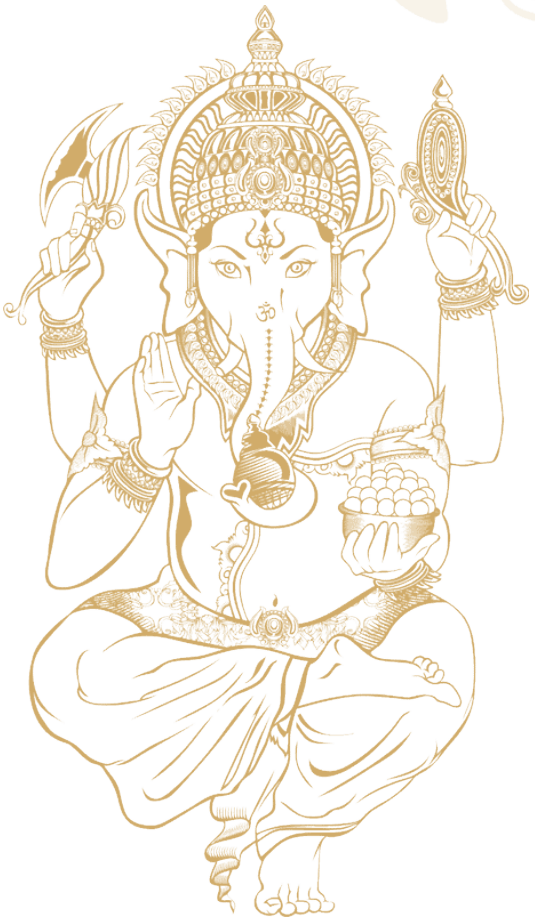

Deep

14 Jul 2009

03:05 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121153306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/07/2009**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	23:50:47 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:52 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:24 घंटे
सूर्योदय	05:32:41 घंटे
सूर्यास्त	19:20:57 घंटे
दिनमान	13:48:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	28:05:25 मिथुन
लग्न के अंश	00:52:50 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:52:50	306:47:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			मिथु	28:05:25	00:57:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मीन	15:57:38	12:45:12	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
मंगल			वृष	07:36:22	00:42:05	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
बुध		अ	मिथु	28:27:16	02:08:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	01:42:18	00:05:14	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			वृष	15:59:11	01:06:53	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि			सिंह	23:39:31	00:05:15	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु			मक	06:14:46	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			कर्क	06:14:46	00:00:07	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	02:33:36	00:00:37	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	01:57:06	00:01:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	07:27:48	00:01:25	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	07:20:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:40

लग्न-चलित

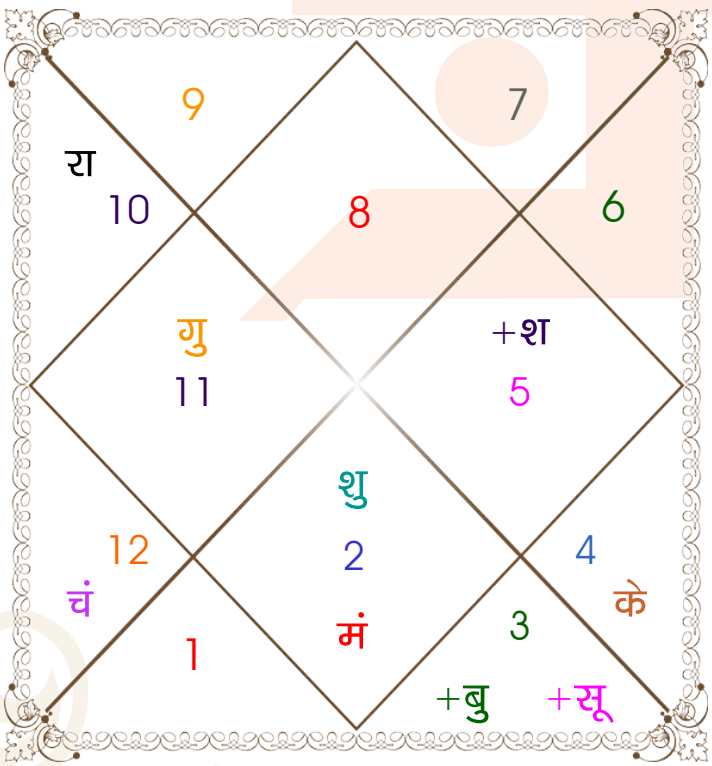

चन्द्र कुंडली

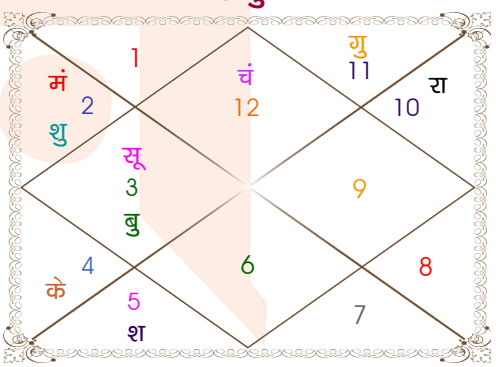

नवमांश कुंडली

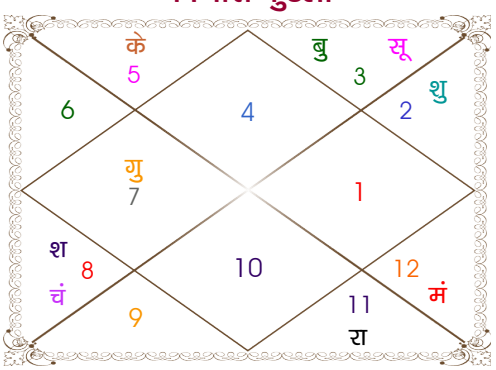

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 0 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/07/2009		17/07/2010		17/07/2027		17/07/2034		17/07/2054	
17/07/2010		17/07/2027		17/07/2034		17/07/2054		16/07/2060	
	00/00/0000	बुध	12/12/2012	केतु	13/12/2027	शुक्र	15/11/2037	सूर्य	03/11/2054
	00/00/0000	केतु	09/12/2013	शुक्र	11/02/2029	सूर्य	15/11/2038	चंद्र	05/05/2055
	00/00/0000	शुक्र	09/10/2016	सूर्य	19/06/2029	चंद्र	16/07/2040	मंगल	10/09/2055
	00/00/0000	सूर्य	16/08/2017	चंद्र	18/01/2030	मंगल	15/09/2041	राहु	03/08/2056
	00/00/0000	चंद्र	15/01/2019	मंगल	16/06/2030	राहु	15/09/2044	गुरु	23/05/2057
	00/00/0000	मंगल	12/01/2020	राहु	05/07/2031	गुरु	17/05/2047	शनि	05/05/2058
	00/00/0000	राहु	01/08/2022	गुरु	10/06/2032	शनि	17/07/2050	बुध	11/03/2059
	14/07/2009	गुरु	06/11/2024	शनि	19/07/2033	बुध	17/05/2053	केतु	17/07/2059
गुरु	17/07/2010	शनि	17/07/2027	बुध	17/07/2034	केतु	17/07/2054	शुक्र	16/07/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/07/2060		17/07/2070		16/07/2077		17/07/2095		18/07/2111	
17/07/2070		16/07/2077		17/07/2095		18/07/2111		15/07/2129	
चंद्र	17/05/2061	मंगल	13/12/2070	राहु	29/03/2080	गुरु	03/09/2097	शनि	21/07/2114
मंगल	16/12/2061	राहु	31/12/2071	गुरु	22/08/2082	शनि	17/03/2100	बुध	30/03/2117
राहु	16/06/2063	गुरु	06/12/2072	शनि	28/06/2085	बुध	23/06/2102	केतु	09/05/2118
गुरु	15/10/2064	शनि	15/01/2074	बुध	16/01/2088	केतु	30/05/2103	शुक्र	08/07/2121
शनि	17/05/2066	बुध	12/01/2075	केतु	02/02/2089	शुक्र	28/01/2106	सूर्य	20/06/2122
बुध	16/10/2067	केतु	10/06/2075	शुक्र	03/02/2092	सूर्य	16/11/2106	चंद्र	20/01/2124
केतु	16/05/2068	शुक्र	09/08/2076	सूर्य	28/12/2092	चंद्र	17/03/2108	मंगल	27/02/2125
शुक्र	15/01/2070	सूर्य	15/12/2076	चंद्र	28/06/2094	मंगल	21/02/2109	राहु	04/01/2128
सूर्य	17/07/2070	चंद्र	16/07/2077	मंगल	17/07/2095	राहु	18/07/2111	गुरु	15/07/2129

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 0 वर्ष 11 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।